

सरपंच के जेट की गोली मारकर हत्या

रायसेन, 29 मार्च. रायसेन जिले के कुचवाड़ा गांव में सरपंच के जेट की गोली मारकर हत्या कर दी गई. आरोपी भी पूर्व सरपंच है. इसके परिवार ने दो साल पहले मृतक के दो भाइयों की हत्या कर दी थी. इस मामले में 8 लोग जेल में हैं. वहीं उदयपुरा थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.



कुछ दिनों पहले भी हुआ था हमला

परिजनो ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले भी थाला पेट्रोल पंप पर रवींद्र पर जानलेवा हमला हुआ था. उस समय हमलावर ने उन पर बंदूक तानी थी. रवींद्र ने बहादुरी से बंदूक पकड़ ली थी और अपनी जान बचाई थी. इस हमले की एफआईआर उदयपुरा थाने में दर्ज थी, लेकिन परिवार का आरोप है कि इतनी संवेदनशील स्थिति के बावजूद पुलिस ने रवींद्र की सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए.

रुनावी रजिशा में हुई है वारदात

यह वारदात पुरानी चुनावी रजिशा का नतीजा है. आरोपी संतोष रघुवंशी का परिवार लंबे समय से रघुवंशी परिवार का दुश्मन है. वर्तमान में मृतक रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद की पत्नी रुना रघुवंशी गांव की सरपंच हैं, जिससे रजिशा और गहराई गई थी. इस परिवार के लिए यह तीसरा बड़ा आघात है. इससे पहले 13 जून 2023 को भी संतोष के परिवार ने चुनावी रजिशा के चलते रवींद्र के छोटे भाई प्रमोद रघुवंशी और चचेरे भाई विवेक रघुवंशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी.

मामूली विवाद में युवक की कुल्हाड़ी से हत्या

छतरपुर, जिले के गढ़ी मलहरा थाना अंतर्गत कलानी गांव में बीती रात मामूली विवाद ने इतना हिंसक रूप ले लिया कि एक किसान के घर का चिराग बुझ गया. पुरानी रजिशा और सुबह हुए विवाद के चलते दबंगों ने एक युवक की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी और दो अन्य लोगों को मरणासन्न कर दिया. घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 11:30 बजे की है. 19 वर्षीय कमलेश कुशवाहा अपनी दादी नन्नी बाई के साथ खेत पर बनी झोपड़ी में मौजूद था. तभी गांव के ही नंदराम विश्वकर्मा, हर्ष विश्वकर्मा और संदीप रैवकार अपने साथियों के साथ वहां पहुंचे. आरोप है कि सुबह हुए किसी विवाद को लेकर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते झोपड़ी में आग लगा दी. विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने पथराव शुरू कर दिया और फिर हथियारों से लैस होकर लौटे. हमलावरों ने कमलेश के सिर पर कुल्हाड़ी से सीधा प्रहार किया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. बीच-बचाव करने आई उसकी दादी नन्नी बाई और वहां काम कर रहे जलील खान को भी बेदरती से पीटा गया, जिससे वे लहलुहान होकर मिर पड़े.

पुलिस की मुस्तैदी और गिरफ्तारी

घायल जलील खान ने हिम्मत दिखाते हुए 112 डायल कर पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही गढ़ी मलहरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी नंदराम, हर्ष और संदीप को हिरासत में ले लिया है, जबकि फरार अन्य साथियों की तलाश के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं.

चार्जिंग के दौरान ई-स्कूटी में ब्लास्ट



छतरपुर, 29 मार्च. छतरपुर जिले के ईशानगर क्षेत्र स्थित भेलसी गांव में शनिवार देर रात एक बड़ा हादसा होने-होते टल गया, जब घर के अंदर चार्जिंग पर लगी ई-स्कूटी में अचानक तेज धमाका हो गया. धमाके के बाद स्कूटी में भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही देर में पास में खड़ी दूसरी ई-स्कूटी और एक साइकिल को भी अपनी चपेट में ले लिया. घटना के समय परिवार घर के अंदर सो रहा था, जो धमाके की आवाज से जाग गया. आग तेजी से फैलकर सीढ़ियों तक पहुंच गई, जिससे परिवार के सदस्य ऊपर ही फंस गए और हालात बेहद गंभीर हो गए. बचाव के लिए परिवार ने छत से शोर मचाकर मदद मांगी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया. हालांकि तब तक दोनों ई-स्कूटी और साइकिल पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थीं. पुलिस की प्राथमिक जांच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट से बैटरी ब्लास्ट की आशंका जताई गई है.

नर्मदा नदी से भी दोनों युवकों के शव बरामद

भरूदा, 29 मार्च. शुक्रवार को नर्मदा नदी में सीलकंट घाट के समीप नाव पलटने से उसमें सवार दो युवक तेज बहाव में बह गए थे. तब से ही उनका तलाश में टीमों द्वारा अभियान चलाया जा रहा था, लेकिन एसडीआरएफ टीम के गोताखोरों को सफलता नहीं मिल रही थी. रविवार एक बार फिर चलाए गए सर्चिंग ऑपरेशन के दौरान दोनों युवकों लड्डू कुमार और रंजीत दोनों निवासी पूर्णिया (बिहार) को तलाश लिया गया. दोनों युवकों के शवों को नर्मदा से बाहर निकालते हुए पुलिस ने उनका पोस्टमार्टम कराया और उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है.

वायरल फीवर के मरीजों की संख्या में इजाफा

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़, 29 मार्च. जिलेभर के निजी अस्पतालों सहित जिला अस्पताल की ओपीडी में वायरल फीवर के मरीजों की बढ़ोतरी होने लगी है. जिले में मौसम का मिजाज इन दिनों लगातार बदल रहा है. जबकि दोपहर में धूप की तेज चपट लोगों को परेशान कर रही है. तापमान में दिन-रात के अंतर ने लोगों की दिनचर्या और सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है. मौसम विभाग के वैज्ञानिक के अनुसार रात का पारा लगभग स्थिर बना हुआ है, लेकिन दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. दोपहर में तेज धूप और हल्की गर्म हवाओं के कारण लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है. बाजारों में दोपहर के समय आवाजाही कम हो रही है, जबकि शाम ढलते ही ठंडक के साथ रौनक लौट आती है. दोपहर के समय तेज धूप के कारण सड़कों पर सन्नाटा सा नजर आने लगा है. वायरल फीवर के मरीजों में इजाफा हो रहा है. दोपहर के समय तेज धूप के कारण सड़कों पर सन्नाटा सा नजर आने लगा है. वायरल फीवर के मरीजों में इजाफा हो रहा है. चिकित्सकों ने सलाह देते हुए बताया कि मौसम के उतार-चढ़ाव का असर सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है. जिला अस्पताल सहित निजी क्लीनिकों में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी, गले में खराश और बदन दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ गई है.

एसपी ऑफिस परिसर में घोड़ा पछाड़ सांप से मचा हड़कंप

छतरपुर. पुलिस अपराधियों को पकड़ने में तो माहिर है ही, लेकिन रविवार को छतरपुर एसपी ऑफिस में खाकी का एक अलम ही रूप देखने को मिला. यहाँ पुलिस परिसर में एक 'घोड़ा पछाड़' सांप घुस आने से हड़कंप मच गया. गनीमत रही कि विभाग के ही एक जांबाज प्रधान अरक्षक ने समय रहते मोर्चा संभाला और सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया.

एसपी एवं जतारा एसडीओपी पहुंचे घटनास्थल

घटना की गंभीरता को देखते हुए एडिशनल एसपी विक्रम सिंह और एसडीओपी अभिषेक गौतम ने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम को भी बुलाया गया है, जो मौके से चोरों के सुराग तलाश रही है. दिनदहाड़े और सूने घरो में ही रही ऐसी वारदातों से स्थानीय निवासियों में भारी डर और आक्रोश है. व्यापारियों और नागरिकों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पूख्खा इंतजाम करने की मांग की है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेजी से चल रही है.

संदिग्ध परिस्थितियों में इंजीनियरिंग के छात्र की मौत

बैतुल. कोतवाली थाना क्षेत्र में एक इंजीनियरिंग के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. छात्र दोपहर में अपने घर पर सोया था, लेकिन शाम तक वह नहीं उठा. परिजनों ने जब उसे देखा तो हड़कंप मच गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रकाश उडके (28) के रूप में हुई है. वह दोपहर में अपने घर पर सो रहा था. उसके घर में एक किनासा दुकान भी है. घटना के समय उसने अपने बड़े भाई को कुछ सामान लेने के लिए बैतुल भेजा था. घर पर उस वक्त प्रकाश और उसके चाचा का लड्डूका ही मौजूद थे. शाम करीब 7 बजे जब उसका बड़ा भाई वापस लौटा, तो चाचा के लड्डूके ने प्रकाश को जगाने की कोशिश की.

चोरों ने लाखों की चोरी की वारदात को दिया अंजाम

अज्ञात चोरों ने पलेरा में सूने मकान को बनाया निशाना. घटना स्थल पर बुलाई गई फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम. जानकारी के अनुसार रविवार सुबह जब परिवार घर लौटा, तो उन्हें ताले टूटे हुए मिले. व्यापारी सुरेश कुमार गुप्ता ने बताया कि चोर 7 लाख 70 हजार रुपए नकद और बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर ले गए. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया. एडिशनल एसपी विक्रम सिंह और जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉ. डेव स्कोड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई, जो साक्ष्य जुटाने में जुटी है. एसडीओपी अभिषेक गौतम ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को फुटेज खंगाल रही है.



टीकमगढ़/पलेरा, 29 मार्च. पलेरा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 15 में एक गल्लू व्यापारी के घर से 18 लाख रुपए की चोरी हुई है. शनिवार रात अज्ञात चोरों ने नकदी और सोने-चांदी के जेवरवात सहित यह सामान चुराया. गल्लू व्यापारी सुरेश कुमार गुप्ता अपने परिवार के साथ वेदी हवन के लिए पैतृक गांव गए हुए थे. इसी दौरान चोरों ने सूने घर को निशाना बनाकर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया.

स्मार्ट मीटर-बिजली बिलों को लेकर आंदोलन

बौना. बौना विधानसभा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता, बढ़ते फिक्स चार्ज और मनमाने बिजली बिलों के विरोध में जनता का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. इस जनआंदोलन का नेतृत्व कर रहे एड. महेंद्र कुमार नवैया ने बताया कि 30-31 मार्च को दो दिवसीय हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया जाएगा. 30 मार्च को सुबह 10 बजे महात्मा गांधी प्रतिमा, बौना से अभियान की शुरुआत होगी, जो शाम 5 बजे तक चलेगा. वहीं 31 मार्च को पूरे दिन हस्ताक्षर अभियान चलाकर शाम 5 बजे डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर प्रतिमा, राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा. एड. श्री नवैया ने कहा कि स्मार्ट मीटर और फिक्स चार्ज के नाम पर जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाला जा रहा है.



कैंट थाने के पास अनाज से भरी ट्रॉली पलटी, हादसा टला

गुना. शहर के कैंट थाना इलाके में स्थित एक अस्पताल के सामने अनाज से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई. जानकारी के अनुसार, गिराज ट्रेडिंग कंपनी का करीब 200 बोरी धनिया नानाखेड़ी मंडी से भरकर वेयरहाउस की ओर ले जाया जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया. गनीमत रही कि ट्रॉली पलटने के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई. हालांकि सड़क पर धनिया बिखरने से कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा. हादसे के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं. मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली ओवरलोड थी.

सांची आने वाले पर्यटकों की संख्या में आई कमी

संदिग्धों में 2 से 3 हजार पर्यटक पहुंचते हैं स्तूप देखने. सालामतपुर, 29 मार्च. बढ़ती गर्मी का असर अब पर्यटन पर भी साफ दिखाई देने लगा है. विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सांची स्तूप पर इन दिनों सन्नाटा पसरा हुआ नजर आ रहा है. सीजन में पहली बार तापमान 39 डिग्री के पार पहुंचते ही पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है. जहां कुछ दिन पहले तक हजारों की संख्या में सैलानी यहां पहुंच रहे थे, वहीं अब यह संख्या घटकर नाम मात्र रह गई है. दोपहर के समय स्तूप परिसर लगभग खाली दिखाई देता है. जो पर्यटक यहां पहुंच भी रहे हैं, वे तेज धूप और गर्म हवाओं से बचने के लिए छाते का सहारा लेते नजर आ रहे हैं. छांव तलाश रहे हैं और खुद को पूरी तरह ढंककर गर्मी से बचने की कोशिश कर रहे हैं. अगर आंकों की बात करें तो संदिग्धों में रोजाना 3 से 4 हजार पर्यटक यहां आते थे, जबकि सामान्य दिनों में करीब 2 हजार की संख्या रहती है. जनवरी में 30,162 भारतीय और 415 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे, वहीं फरवरी में यह संख्या घटकर 24,436 भारतीय और 541 विदेशी पर्यटक रह गई. तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप ने अब सांची घूमने का उत्साह कम कर दिया है, जिसका सीधा असर स्थानीय पर्यटन और कारोबार पर भी पड़ता नजर आ रहा है.

भीषण गर्मी में बिजली संकट से जूझ रही सांची

सांची. विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगरी सांची इन दिनों बिजली की बदहाल व्यवस्था से जूझ रही है. लगातार हो रही बिजली की आंशमिचौली ने नगरवासियों की परेशानी बढ़ा दी है. भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. नगर में बिजली आपूर्ति की अनियमितता के कारण न केवल आमजन परेशान है, जिससे लोगों को दोहरी समस्या का सामना करना पड़ रहा है. संतोष दुबे अध्यक्ष, व्यापारी महासंघ का कहना है कि नगर की ऐतिहासिक पहचान को देखते हुए बिजली कंपनी को व्यवस्था सुधारने के गंभीर प्रयास करने चाहिए. वहीं विवेक तिवारी (पार्षद) का कहना है कि बिजली की अनियमितता से जल प्रदाय व्यवस्था प्रभावित हो रही है. अधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, वहाँ मनीष श्रीवास्तव जेई, बिजली विभाग का कहना है कि कर्मचारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए हैं. बकाया वसूली अभियान चलाया जा रहा है तथा अनावश्यक परमिट पर रोक लगाकर आपूर्ति को सुचारू बनाने का प्रयास किया जा रहा है.

चेकिंग के दौरान बाइक अनियंत्रित, दो घायल

नवभारत न्यूज अशोकनगर, 29 मार्च. जिले में रविवार शाम वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई. इस हादसे में बाइक चालक सहित दो लोग घायल हो गए. घटना गुना-अशोकनगर रोड स्थित शाहीरा के माहोर पेट्रोल पंप के पास हुई. स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि चेकिंग कर रहे एक पुलिसकर्मी ने बाइक चालक को रोकने के प्रयास में थप्पड़ मार दिया, जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई. इसके बाद बाइक सड़क पर गिरकर सामने से आ रही कार की चपेट में आ गई. हादसे के बाद गुप्ताए लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया और हंगामा किया.



सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया. लोगों ने पुलिसकर्मी का नाम अमित शर्मा बताया. वहीं प्रदर्शन के दौरान कुछ वीडियो सामने आए जिसमें पुलिसकर्मी कह रहा है कि वह उसे काफी दूर से रोकने का प्रयत्न कर रहा था. वहीं घटना में घायलों को तत्काल शाहीरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया. बताया गया है कि घायल युवक हॉस्पिटल पर काम करने वाले थे और उनके पीछे ही हॉस्पिटल आ रहा था, जिसे घटना के बाद सड़क पर रखकर जाम लगाया गया था. जिसे समझाईस बाद खोला गया.

हत्या के मामले में 18 को आजीवन कारावास

टीकमगढ़. कोर्ट ने शनिवार को एक बहुचर्चित हत्या मामले में फैसला सुनाया. कोर्ट ने सभी 18 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उन पर आर्थिक दंड भी लगाया. सभी दोषियों को जेल भेज दिया गया है. अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि यह घटना 11 दिसंबर 2016 को खरगापुर नगर में हुई थी. उस दिन 33 साल अन्दूल कादिर उर्फ कद्दू पर 18 लोगों ने जानलेवा हमला किया था. हमलावरों ने कुल्हाड़ी और तलवार जैसे धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया, जिससे अन्दूल कादिर की मौके पर ही मौत हो गई. इस हमले में 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे.

समस्या जल जीवन मिशन : जल से जीवन देने का फिर इस साल अधूरा रह जाएगा मिशन

पार्वती सूखने से पानी को तरसंगे 77 गांव

नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयजल योजना में पार्वती नदी के सूखने से पानी फिरता नजर आ रहा है. क्षेत्र की पहाड़गढ़ पेयजल योजना से जुड़े 77 गांव फिर प्यासे रहने की आशंका है. इसका कारण यह है कि इस पेयजल योजना का मुख्य स्रोत पार्वती नदी आने वाले अधिकतम एक पखवाड़े में सूख जायेगी. जल जीवन मिशन के तहत नवभारत न्यूज ब्यावरा 29 मार्च. का. गांव-गांव, घर-घर नलजल योजना के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के दावों पर पहाड़गढ़ पेयज